हिंदी

कक्षा 1

सत्र 2024–25

DIKSHA एप कैसे डाउनलोड करें?

विकल्प 1	: अपने मोबाइल ब्राउज़र पर diksha.gov.in/app टाइप करें।
विकल्प 2	: Google Play Store में DIKSHA NCTE ढूंढ़े एवं डाउनलोड बटन पर tap करें।

मोबाइल पर QR कोड का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु कैसे प्राप्त करें ?

DIKSHA App को लॉच करे → **App** की समस्त अनुमति को स्वीकार करें → उपयोगकर्ता **Profile** का चयन करें।

1. पाठ्यपुस्तक में QR Code को Scan करने के लिए मोबाइल में QR Code tap करें।

2. मोबाईल को QR Code पर केन्द्रित करें।

3. सफल Scan के पश्चात् QR Code से लिंक की गई सूची उपलब्ध होगी।

डेस्कटॉप पर QR Code का उपयोग कर डिजिटल विषय–वस्तु तक कैसे पहुँचे ?

1. QR Code के नीचे 6 अंक का Al-pha Numeric Code दिया गया है।

2. ब्राउज़र में diksha. gov.in/cg टाईप करें।

3. सर्च बार पर 6 डिजिट का QR CODE टाईप करें।

4. प्राप्त विषय–वस्तु की सूची से चाही गई विषय–वस्तु पर क्लिक करें।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

निःशुल्क वितरण हेतु

© राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

2RTLXH

प्रकाशन वर्ष – 2024

मार्गदर्शक

संचालक

एस. सी. ई. आर. टी. छ. ग., रायपुर

सहयोग

प्रो. रमाकांत अग्निहोत्री (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. हृदयकांत दीवान (विद्या भवन, उदयपुर)

श्री रोहित धनकर (दिगंतर, जयपुर)

कार्यक्रम समन्वयक

डॉ. विद्यावती चन्द्राकर

समन्वयक

डॉ. आर.के. वर्मा

संपादक

श्री राजेन्द्र पाण्डेय, स्व. डॉ. सी.एल. मिश्रा, डॉ. विद्यावती चन्द्राकर, श्रीमती विद्या डांगे

लेखन–समूह

श्री राजेन्द्र पाण्डेय, श्रीमती सुधा खरे, श्री अनूप नाथ योगी, श्री सच्चिदानंद शास्त्री, श्री दुर्गेश वैष्णव, श्री छलिया वैष्णव, श्री शोभा शंकर नागदा, श्री रमेश शर्मा, श्री दिनेश गौतम, श्री विनय शरण सिंह, डॉ. राजेश शर्मा, रीता श्रीवास्तव, द्रोण साहू, पुष्पा शुक्ला, राजपाल कौर, लक्ष्मी सोनी, श्रीदेवी, मनोज चंद्राकर, मनोज साहू, खोजन दास डिडौरी

चित्रांकन

राजेन्द्र सिंह ठाकुर, रेखराज चौरागड़े, सुश्री अनीता वर्मा, मो. इकराम, श्री राजेश सेन

आवरण एवं ले आउट डिजाइनिंग

रेखराज चौरागड़े

प्रकाशक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

मुद्रक

छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम, रायपुर (छ.ग.)

मुद्रणालय

मुद्रित पुस्तकों की संख्या – ....

आमुख

छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के साथ ही यह आवश्यक हो गया था कि नवगठित राज्य के संदर्भ में शिक्षा के सरोकारों का पुनः निर्धारण किया जाए। आवश्यकता अनुसार पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तकों का नवीनीकरण किया जाए। प्रदेश की इसी आवश्यकता को ध्यान में रखकर सत्र 2003–04 में नई शिक्षा योजना के साथ नई पाठ्यपुस्तकों के सृजन का कार्य प्रारम्भ किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा आयोग और मानव अधिकार आयोग प्राथमिक कक्षाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बच्चों के बस्ते में बोझ से चिंतित है। छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग भी इस चिंता को दूर करने के लिए प्रयासरत था। अंततः इस वर्ष उसकी पहल पर पाठ्यपुस्तकों के निर्माण की एक नई प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। शासन द्वारा लिए गए निर्णय के फलस्वरूप इस वर्ष कक्षा पहली और दूसरी के बच्चों के लिए हिन्दी, गणित और सामान्य अंग्रेजी की पृथक–पृथक पुस्तक होगी। इन पुस्तकों में वर्कबुक समावेशित है, अतः इन कक्षाओं के लिए पृथक से वर्कबुक बनाने की आवश्यकता अनुभव नहीं की गई।

पाठ्यपुस्तक के विकास में बच्चों की अभिरुचियों को ध्यान में रखकर सीखने की गतिविधियों का सृजन एवं रिमझिम–1 एन.सी.आर.टी. हिन्दी की पाठ्यपुस्तक के कुछ पाठों का चयन किया गया है। विद्यालयों की परिस्थितियों व सीखने के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए समूह अधिगम एवं स्व अधिगम पर बल देने का प्रयास किया गया है। इसके साथ ही पर्यावरणीय संचेतना, लिंग संचेतना आदि पहलुओं को ध्यान में रखकर पाठ्यपुस्तक संयोजित की गई है। पाठों में दी गई पाठ्यसामग्री एवं अभ्यास कार्य, भाषा शिक्षण की नवीन अवधारणाओं एवं लर्निंग आउटकम्स पर आधारित हैं। हम आशा करते हैं कि शिक्षक इस पाठ्यपुस्तक का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकेंगे।

अध्ययन–अध्यापन की प्रक्रिया रोचक और संपूर्ण कैसे बने इस पर सतत् प्रयास हो रहे हैं। यह पुस्तक भी इसी दिशा में एक कदम है।

इस पुस्तक की रचना शिक्षण के प्रति वैकल्पिक दृष्टिकोण उत्पन्न करने के उद्देश्य को सामने रखकर की गई है। इस पुस्तक में, आसपास होने वाली सहज क्रियाओं में भी भाषा के गणित के रूप को देखा जाएगा। इन क्रियाओं को रोचक गतिविधियों के साथ स्वयं करते हुए जब बच्चे आगे बढ़ेंगे तो अवश्य ही उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

इस पुस्तक में हर अवधारणा की शुरूआत संदर्भ से की गई है। बच्चे पहले से जितना जानते हैं उसका उपयोग उनके सीखने में हो, और वे अपने अनुभवों में कुछ नया जोड़ते चलें, फिर नई परिस्थितियों में उसका प्रयोग करें और धीरे–धीरे सीखते चलें, सीखने की इस प्रक्रिया को इस पुस्तक का आधार बनाया गया है। कक्षा 1 में यह अपेक्षा है कि कक्षा में बच्चे की भाषा का उपयोग हो, जिससे उसे अवधारणाओं को अपने भाषायी ढाँचे के साथ जोड़ने का अवसर मिले।

स्कूल शिक्षा विभाग एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, छ.ग. द्वारा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में दक्षता संवर्धन हेतु अतिरिक्त पाठ्य संसाधन उपलब्ध कराने की दृष्टि से Energized Text Books एक अभिनव प्रयास है, जिसे ऑन लाईन एवं ऑफ लाईन (डाउनलोड करने के उपरांत) उपयोग किया जा सकता है। ETBs का प्रमुख उद्देश्य पाठ्यवस्तु के अतिरिक्त ऑडियो–वीडियो, एनीमेशन फॉरमेट में अधिगम सामग्री, संबंधित अभ्यास, प्रश्न एवं शिक्षकों के लिए संदर्भ सामग्री प्रदान करना है।

इस पुस्तक को तैयार करते समय शिक्षकों, शिक्षक–प्रशिक्षकों तथा शिक्षा क्षेत्र से सक्रिय रूप से जुड़े अनेक विद्वानों का सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। फिर भी सुधार करने और नया जोड़ने की संभावनाएँ तो हमेशा ही रहेंगी। इसलिए यह पुस्तक जिनके भी हाथ में है उनसे अनुरोध है कि इसे बच्चों के लिए और बेहतर बनाने के लिए अपने महत्त्वपूर्ण सुझाव परिषद् को अवश्य भेजें।

संचालक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
छत्तीसगढ़, रायपुर

शिक्षकों व पालकों के लिए सुझाव

कक्षा पहली की पाठ्यपुस्तक के शुरू में बाल–गीत दिए गए हैं। इनका उपयोग कक्षा में हाव–भाव के साथ गाने के लिए किया जाना है और पढ़ने की शुरूआत के लिए भी। बच्चे बालगीत व बाद में कविताओं को भी कक्षा में सुनाएँ व गाएँ। यह अच्छा होगा कि यदि इस तरह के अन्य गीत भी कक्षा में गाए जाएँ व उनमें बार–बार आनेवाले कुछ वाक्यों को बोर्ड पर लिखा जाए। चित्रों पर बच्चे आपस में चर्चा करें व बताएँ कि उनमें क्या देख पा रहे हैं।

इन गीतों व पुस्तक के अन्य पाठों की सामग्री का उपयोग बच्चों के लिए पढ़ना सीखने के अभ्यास के रूप में करें। बच्चे बताए गए शब्दों को पहचान कर उन्हें पट्टी पर लिखें, उन पर गोला लगाएँ या उन्हें रेखांकित करें। वे सुनाई गई अथवा बोर्ड पर लिखी पाठ की लाइन को पहचानें व उसे सुनाएँ। समूहों में भी वह पाठ में शब्दों को एक–दूसरे को पहचानने को कहें। इस तरह के कई अभ्यास बच्चे खुद करें।

इनके अलावा वर्ण पहचानने व उन पर गोला लगवाने के अभ्यास भी करवाएँ। पढ़ना सीखने के लिए पाठ्य सामग्री चाहे वह पुस्तक में हो अथवा श्याम पट्ट पर इंगित हिस्से यथा–वाक्य, शब्द अथवा वर्ण को पहचानने का अभ्यास बच्चे करें।

कक्षा एक में हिंदी भाषा के मुख्य उद्देश्य हैं :

1. बच्चों में खुलकर विचार व्यक्त करने की हिम्मत व क्षमता विकसित करना। इसके लिए उन्हें कविता/गीत गाने व उसके साथ हाव–भाव करने के अलावा कहानी सुनने–सुनाने के मौके चाहिए। वे अपने बारे में, अपने अनुभव के बारे में कक्षा में अपने विचार व भावनाएँ व्यक्त करें। वे पाठ सामग्री के बारे में भी अपने विचार व्यक्त करें और यह भी व्यक्त करें कि उन्हें पाठ से क्या समझ में आया है। ऐसा वे बड़े समूह में भी करें व छोटे समूह में भी।
2. दूसरा प्रमुख बिंदु है बात समझना, अपनी समझ को गहरा बनाना और विश्लेषण करके नए विचार पैदा करना। इसके लिए कई चीजें करवा सकते हैं। जिनमें से एक हिस्सा बिन्दु क्रमांक 1 में है। इसके अलावा सामग्री को अपने शब्दों में प्रस्तुत करना, अभिनय द्वारा समूह में प्रस्तुत करना जैसे अन्य कई तरीके हो सकते हैं। इसलिए भाषा की समझ को बेहतर करने के साथ–साथ स्कूल व कक्षा से भय हटाने के लिए बाल–गीतों व अन्य पाठों को भी बच्चों से कक्षा में हाव–भाव व अभिनय द्वारा प्रस्तुत करवाएँ।
3. तीसरा प्रमुख उद्देश्य है पढ़ना सीखना व उसका अभ्यास करना। इसके लिए कई तरह के अभ्यास जिनमें वाक्य, शब्द व वर्ण पहचानना तीनों शामिल हैं, करवाएँ। इसके भी कई तरीके हो सकते हैं। वर्ण मात्र पढ़वाने पर ज़ोर देने से पढ़ना सीखना आसान नहीं होता। बच्चों को अर्थपूर्ण सामग्री को पढ़ने के अधिक–से–अधिक मौके चाहिए। सीखते समय बच्चे कई ढंग इस्तेमाल करते हैं; गलतियाँ भी करते हैं; यही धीरे–धीरे उसे ध्वनि व लिपि में संबंध जोड़ कर पढ़ने में सक्षम बनाती हैं।

अब इनको किताब के संदर्भ में देखें :

(क) उदाहरण के लिए बालगीत 3 ''चूहो! म्याऊँ सो रही है'' को लें–

1. शिक्षक इस गीत हाव–भाव के साथ कई बार सुनाये फिर बच्चों को पृथक–पृथक एवं सामूहिक रूप से अभिनय के साथ गाने के लिए कहें।
2. बच्चों से यह पूछा जाए कि कविता में चूहे और बिल्ली के बारे में क्या–क्या बताया गया है।
3. चूहों और बिल्ली से संबंधित चर्चा कर उनके अनुभव पूछें।
4. कविता में दिए गए मूर्त शब्दों के कार्ड बना कर रखे जाएँ और बच्चे छोटे समूह में या अकेले–अकेले

एक – कार्ड उठाएँ और उस पर लिखे नाम को पहचान कर लिखने कहें।

5. इस बालगीत को श्याम–पट्ट पर लिखें और अँगुली रख–रख कर पढ़ें। फिर बच्चों से भी अँगुली रख–रखकर गाने को कहें।

6. श्यामपट्ट पर लिखी व किताब में से बच्चों को बोले गए वाक्य अथवा शब्द को पहचानने को कहें। यह स्पष्ट है कि यहाँ हम वर्णों की पहचान से पहले लिखे हुए पूरे शब्द के आकार को पहचानने (पढ़ने) की बात कर रहे हैं।

इसी प्रकार सभी बाल–गीतों के साथ करें। प्रत्येक को कई बार साथ गाने के बाद इसी तरह के अभ्यास करवाएँ।

(ख) पाठ 5 गमला शीर्षक से है।

1. इस पाठ की सामग्री में अंतिम ध्वनि एक–सी होने से इसे गाया जा सकता है। इस तरह की सामग्री लगभग सभी पाठों में है। इस पाठ व अन्य पाठों को आप दो–तीन बार अलग–अलग समय उपयोग करें। शुरू में इसे सिर्फ गाया जाए और इसमें दिए शब्दों व उसमें आए वर्णों पर विशेष जोर दिया जाए (जिनके चित्र बने हुए हैं। चित्र के पास संबंधित शब्द लिखा गया है। इन शब्दों का उच्चारण करते समय जो ध्वनियाँ निकलती हैं उन्हें अलग–अलग करके डिब्बों में लिखा गया है। ध्वनियों के माध्यम से वर्णों का परिचय कराएँ।)। इनमें से कुछ शब्द अन्य शब्दों के साथ मिलाकर श्यामपट्ट पर लिखें व बच्चों से किसी विशेष शब्द को पहचानने को कहें। इसी तरह किसी विशेष वर्ण, जैसे ग, म, न, र पर गोला लगवाएँ।

2. इसके बाद उन्हें इनमें से कुछ वर्ण पहचानने व लिखने का अभ्यास पाठ में दिए सुझावों के अनुसार करवाएँ। किताब में दिए गए अभ्यास उदाहरण स्वरूप हैं, यह पर्याप्त नहीं है। आप पट्टी पर, कॉपी में, धूल पर या और कहीं लिखने के अभ्यास करवाएँ। इसी तरह श्याम पट्ट पर शब्द लिख कर उनमें बताए गए वर्ण को ढूँढने का प्रयास करवाएँ।

3. चार–पाँच पाठ करवाने के बाद वापस बाल–गीतों पर आएँ। अब बच्चों से शब्द व वाक्य लिखवाने का अभ्यास करवाएँ। इसके अलावा अब इनमें आए शब्दों व वर्णों को पहचानने का अभ्यास करवाएँ। किताब के सभी शब्दों के कार्ड बना कर उनमें से निश्चित शब्द छाँटने को दें। फिर उनसे निश्चित वर्ण यथा ग, म, न, र, आदि वाले कार्डों को भी छँटवाएँ।

4. दूसरे चक्र में इन वर्णों से नए शब्द सोचने का अभ्यास बच्चों को करवाएँ। इसके लिए बच्चों को समूह में बाँटकर हर समूह को बारी–बारी से चुने गए वर्ण वाले शब्द को बोलना है। जोश दिलाने के लिए इस पर अंक रख कर खेल भी बना सकते हैं। बच्चों को प्रोत्साहित करने का प्रयास करें जिससे सभी को मौका मिले न कि कुछेक बच्चे ही समूह की ओर से बार–बार बताते रहें।

5. इस समय बच्चों से वाक्य, शब्द, वर्ण लिखने व पहचानने का अभ्यास करवाना होगा।

6. कुल मिलाकर बात यह है कि पाठ्य सामग्री का उपयोग बच्चों को सक्षम बनाने के लिए करें। पाठ्यसामग्री समझाने, प्रश्नों के उत्तर याद करवाने से भाषा में क्षमता नहीं बढ़ती। इसलिए आप पाठों का उपयोग 2–3 या अधिक बार कई तरह के अभ्यास करवाने के लिए करें।

संचालक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
छत्तीसगढ़, रायपुर

विषय–सूची

अध्याय	पाठ का नाम	पृष्ठ क्र.
	• चित्र पर चर्चा	i - vi
1.	आम की टोकरी	01–01
2.	चार चने	02–03
3.	चूहो! म्याऊँ सो रही है	04–07
4.	पगड़ी	08–11
5.	गमला	12–19
6.	अनार	20–26
7.	राजा आ	27–30
8.	इमली–ईख	31–36
9.	तितली	37–41
10.	उल्लू आया	42–45
11.	लालू और पीलू	46–54
12.	बंदर आया	55–61
13.	मेला	62–67
14.	ओढ़नी	68–70
15.	खिलौनेवाला	71–75
16.	झंडा	76–81
17.	बंदर और गिलहरी	82–86
18.	हलीम चला चाँद पर	87–91
19.	दौड़	92–95
20.	इनको भी जानो	96–105
	परिशिष्ट–विभिन्न भाषाओं में शब्दावली	106–108

सीखने के प्रतिफल

सीखने–सिखाने की प्रक्रिया

शिक्षार्थियों (भिन्न रूप से सक्षम बच्चों सहित) को व्यक्तिगत, सामूहिक रूप से कार्य करने के अवसर और प्रोत्साहन दिया जाए ताकि उन्हें–

- अपनी भाषा में अपनी बात कहने, बातचीत करने की भरपूर आज़ादी और अवसर हो। अपनी बात कहने (भाषिक और सांकेतिक माध्यम से) के लिए अवसर एवं प्रोत्साहन हों।
- बच्चों द्वारा अपनी भाषा में कही गई बातों को हिंदी भाषा और अन्य भाषाओं (जो भाषाएँ कक्षा में मौजूद हैं या जिन भाषाओं के बच्चे कक्षा में हैं) में दोहराने के अवसर उपलब्ध हों। इससे भाषाओं को कक्षा में समुचित स्थान मिल सकेगा और उनका शब्द–भंडार, अभिव्यक्तियों का भी विकास करने के अवसर मिल सकेंगे।
- कहानी, कविता आदि को बोलकर सुनाने के अवसर हों और उस पर बातचीत करने के अवसर हों।
- हिंदी में सुनी गई बात, कविता, खेल–गीत, कहानी आदि को अपने तरीके और अपनी भाषा में कहने–सुनाने के अवसर उपलब्ध हों।
- प्रश्न पूछने एवं अपनी बात जोड़ने के अवसर उपलब्ध हों।
- कक्षा अथवा विद्यालय (पढ़ने का कोना/पुस्तकालय) में स्तरानुसार विभिन्न प्रकार की एवं विभिन्न भाषाओं (बच्चों की अपनी भाषा/एं,

सीखने की संप्राप्ति **(Learning Outcomes)**

बच्चे –

LH101. विविध उद्देश्यों के लिए अपनी भाषा अथवा/और स्कूल की भाषा का इस्तेमाल करते हुए बातचीत करते हैं; जैसे– कविता, कहानी, सुनाना, जानकारी के लिए प्रश्न पूछना, निजी अनुभवों को साझा करना।

LH102. सुनी सामग्री (कहानी, कविता आदि) के बारे में बातचीत करते हैं, अपनी राय देते हैं, प्रश्न पूछते हैं।

LH103. भाषा में निहित ध्वनियों और शब्दों के साथ खेलने का आनन्द लेते हैं; जैसे – इन्ना, बिन्ना, तिन्ना।

LH104. प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) और गैर–प्रिंट सामग्री (जैसे, चित्र या अन्य ग्राफिक्स) में अन्तर करते हैं।

LH105. चित्र के सूक्ष्म और प्रत्यक्ष पहलुओं पर बारीक अवलोकन करते हैं।

LH106. चित्र में या क्रमवार सजाए चित्रों में घट रही अलग–अलग घटनाओं, गतिविधियों और पात्रों को एक संदर्भ या कहानी के सूत्र में देखकर समझते हैं और सराहना करते हैं।

LH107. पढ़ी कहानी, कविताओं आदि में लिपि चिह्नों/शब्दों/वाक्यों आदि को देखकर और उनकी ध्वनियों को सुनकर, समझकर उनकी पहचान करते हैं।

LH108. संदर्भ की मदद से आस–पास मौजूद प्रिंट के अर्थ और उद्देश्य का अनुमान लगाते हैं, जैसे –टॉफ़ी के कवर पर लिखे नाम को 'टॉफी', 'लॉलीपॉप' या 'चॉकलेट' बताना।

हिंदी आदि) में रोचक सामग्री; जैसे – बाल साहित्य, बाल पत्रिकाएँ, पोस्टर, ऑडियो–विडियो सामग्री उपलब्ध हों। सामग्री ब्रेल में भी उपलब्ध हों, कमज़ोर दृष्टि वाले बच्चों को ध्यान में रखते हुए कुछ सामग्री बड़े अक्षरों में भी छपी हुई हों।

- तरह–तरह की कहानियों, कविताओं को चित्रों के आधार पर अनुमान लगाकर पढ़ने के अवसर उपलब्ध हों।
- विभिन्न उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए पढ़ने के विभिन्न आयामों को कक्षा में उचित स्थान देने के अवसर उपलब्ध हों, जैसे – किसी कहानी में किसी जानकारी को खोजना, कहानी में घटी विभिन्न घटनाओं के क्रम को तय करना, उसे अनुभव संसार से जोड़कर देख पाना आदि।
- सुनी, देखी, बातों को अपनी तरीके से कागज़ पर उतारने के अवसर हों।
- बच्चे अक्षरों की आकृति बनाना शुरू करते हैं भले ही उनके द्वारा बनाए गए अक्षरों में सुघड़ता न हो, इसे कक्षा में स्वीकार किया जाए।
- बच्चों द्वारा अपनी वर्तनी गढ़ने की प्रवृत्ति को भाषा सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा समझा जाए।

LH109. प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) में मौजूद अक्षर, शब्द और वाक्य की इकाइयों को पहचानते हैं, जैसे – 'मेरा नाम विमला है।' बताओ, यह कहाँ लिखा हुआ है?/ इसमें 'नाम' कहाँ लिखा हुआ है?/ 'नाम' में में 'म' पर अँगुली रखो।

LH110. परिचित/अपरिचित लिखित सामग्री (जैसे – मिड–डे मीड का चार्ट, अपना नाम, कक्षा का नाम, मनपसन्द किताब का शीर्षक आदि) में रूचि दिखाते हैं, बातचीत करते हैं और अर्थ का खोज में विविध प्रकार की युक्तियों का इस्तेमाल करते है जैसे केवल चित्रों या चित्रों और प्रिंट की मदद से अनुप्रास लगाना, अक्षर ध्वनि संबंध का इस्तेमाल करना, शब्दों को पहचानना, पूर्व अनुभवों और जानकारी का इस्तेमाल करते हुए अनुमाना लगाना।

LH111. हिंदी के वर्णमाला के अक्षरों की आकृति और ध्वनि को पहचानते हैं।

LH112. स्कूल के बाहर और स्कूल के भीतर (पुस्तक कोना/पुस्तकालय से) अपनी पंसद की किताबों को स्वयं चुनते हैं और पढ़ने की कोशिश करते हैं।

LH113. लिखना सीखने की प्रक्रिया के दौरान अपने विकासात्मक स्तर के अनुसार चित्रों, आड़ी–तिरछी रेखाओं (कीरम–काटे), अक्षर–आकृतियों, स्व–वर्तनी (इनवेंटिड स्पैलिंग) और स्व–नियत्रित लेखन (कनवैंशनल राइटिंग) के माध्यम से सुनी हुई और अपने मन की बातों को अपनी तरीके से लिखने का प्रयास करते हैं।

LH114. स्वयं बनाए गए चित्रों के नाम लिखते (लेबलिंग) हैं, जैसे–हाथ के बने पंखे का चित्र बनाकर उसके नीचे 'बीजना' (ब्रजभाषा, जो कि बच्चे की घर की भाषा हो सकती है।) लिखना।

विषय–सूची (Contents)

अध्याय	पाठ का नाम	सीखने के प्रतिफल
1.	आम की टोकरी	LH101, LH102, LH104, LH106
2.	चार चने	LH101, LH103, LH104, LH106
3.	चूहो! म्याऊँ सो रही है	LH101, LH102, LH103, LH104, LH110
4.	पगड़ी	LH101, LH102, LH103, LH104, LH105, LH110
5.	गमला	LH101, LH102, LH103, LH104, LH110, LH115
6.	अनार	LH101, LH102, LH103, LH104, LH105, LH107, LH108, LH109, LH110, LH111, LH113
7.	राजा आ	LH101, LH102, LH103, LH107, LH110, LH111
8.	इमली–ईख	LH101, LH102, LH103, LH104, LH107, LH110, LH111
9.	तितली	LH101, LH102, LH105, LH107, LH110, LH111, LH113
10.	उल्लू आया	LH101, LH102, LH103, LH104, LH106, LH107, LH110, LH111, LH113, LH114
11.	लालू और पीलू	LH101, LH102, LH106, LH107, LH110, LH111, LH112
12.	बंदर आया	LH101, LH102, LH103, LH104, LH105, LH106, LH107, LH109, LH110, LH112
13.	मेला	LH101, LH102, LH105, LH106, LH107, LH109, LH110, LH112
14.	ओढ़नी	LH101, LH102, LH107, LH108, LH110, LH111, LH112, LH113
15.	खिलौनेवाला	LH101, LH102, LH103, LH106, LH107, LH108, LH109, LH110, LH111, LH112, LH113
16.	झंडा	LH101, LH102, LH103, LH106, LH107, LH108, LH109, LH110, LH113
17.	बंदर और गिलहरी	LH101, LH102, LH104, LH105, LH106, LH107, LH109, LH110, LH112, LH113
18.	हलीम चला चाँद पर	LH101, LH102, LH104, LH105, LH106, LH107, LH110, LH112, LH113
19.	दौड़	LH101, LH102, LH106, LH110, LH112
20.	इनको भी जानो	LH105, LH106, LH108, LH109, LH110, LH111, LH113, LH114

उदाहराणार्थ रूब्रिक्स

Chapter अध्याय	Sub-Topics उप-विषय	Level -1 स्तर-1	Level -2 स्तर-2	Level -3 स्तर-3	Level -4 स्तर-4
After the lesson, students will be able to : पाठ के बाद, विद्यार्थी कर सकेंगे :		Remember, Recall, List, Locate, Label, Recite याद करना, स्मरण करना, सूचीबद्ध करना, खोजना लेबल करना, वर्णन करना	Understand, explain, Illustrate, summaries, match समझना, व्याख्या करना, संक्षेप में लिखना, उदाहरण देना, मेल करना	apply, organize, use, solve, prove, draw प्रयोग करना, व्यवस्थित करना, उपयोग करना, हल करना, साबित करना, चित्रण करना	evaluate, hypothesis, analyses, compare, create, categories मूल्यांकन करना, परिकल्पना करना, विश्लेषण करना, तुलना करना, सृजन करना, वर्गीकरण करना
1	2	3	4	5	6
आम की टोकरी	1. हावभाव एवं लयबद्ध से कविता वाचन करना 2. ध्वनि जागरूकता 3. मौखिक बातचीत करना 4. चित्र बनाकर रंग भरना 5. समान तुक वाले शब्द बताना	• कविता को याद करके हावभाव से सुनाता है। • कविता के वाक्य एवं शब्दों को छोटी इकाई में बाँटता है। • कविता के मुख्य शब्दों के चित्र बनाता है। • कविता के शब्दों के जैसे; समान तुक वाले शब्द बताता है।	• फलों के नाम बताता है। • फलों के स्वाद के बारे में बताता है। • आम से जुड़ी कोई अन्य कविता सुनाता है। • अन्य शब्दों या वाक्यों की छोटी इकाई बताता है। • किसी अन्य शब्दों के समान तुक वाले शब्द बताता है। • अपनी पसंद के किसी अन्य फल का चित्र बनाकर रंग भरता है।	• अभिनय करता है।	• चूसकर, काटकर खाए जाने वाले फलों के बारे में बताता है। • खट्टे व मीठे फलों में अंतर कर नाम बताता है। • फलों के उत्पादन व बिक्री के स्थानों व तरीकों के बारे में बातचीत करता है।